Topic राजस्व (Public finance

Sub Topic :- Nature of Public finance, Public and Private finance compared, importance of P.f.

For- B.A II Year (अर्थशास्त्र) ARTS
II Paper (TEXT)
Prepared by -
Dr. Saraswati, Asst. Professor economics
Govt. Degree college Bhojpur Moradabad U.P
Email- drsaraswati 08@gmail.com
Mobile No- 9319367216

राजस्व की प्रकृति को दो भागों में बाँटा गया है

(A) विज्ञान — (B) कला

विज्ञान

(A)
① मानवीय ज्ञान के सम्बन्ध
② नियमपूर्वक संग्रह
③ वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग
④ निश्चित विवेचना

राजस्व विज्ञान का वास्तविक एवं आदर्शात्मक पहलू भी प्रस्तुत करता है।

(B) **कला**

राजस्व एक कला का रूप उस समय धारण कर लेता है जब वह बताता है कि किसी राष्ट्र की सरकार विविध स्रोतों से सार्वजनिक आय प्राप्त करके उसको इस प्रकार से व्यय करने का निश्चय करें, जिससे सामाजिक कल्याण अधिकतम हो सके।

निष्कर्ष - राजस्व के विज्ञान एवं कला

का अध्ययन करने पर हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते है कि राजस्व विज्ञान एवं कला दोनो ही है। राजस्व का विज्ञान ईंटो के ढेर के बीच-बीच एक मकान के रूप मे बनाने का नक्शा दिखाता है तो राजस्व की कला उस नक्शे को क्रियात्मक रूप देती है।

राजस्व एवं व्यक्तिगत वित्त की तुलना

राजस्व एवं व्यक्तिगत वित्त मे कुछ समानताएं एवं असमानताओं का अध्ययन किया जाता है।

समानताएं

1) उद्देश्य मे समानता
2) आय व्यय मे समायोजन
3) ऋण सुविधाओ मे समायोजन
4) सम - सीमान्त उपयोगिता का सिद्धान्त

असमानताएं

	अन्तर का आधार	राजस्व (सार्वजनिक व्यय)	व्यक्तिगत वित्त (निजि वित्त)
1)	आय व व्यय का समायोजन	व्यय के अनुसार आय प्राप्त	आय के अनुसार व्यय का निर्धारण
2)	उद्देश्य	व्यापक व विस्तृत	व्यक्तिगत एवं पारिवारिक
3)	अवधि	एक वर्ष	निश्चित अवधि नहीं
4)	आय के साधनो मे लोच	नए कर, पुराने करो मे वृद्धि नोट छापना, ऋण लेना	आय के साधन निश्चित एवं सीमित
5)	गोपनीयता	आय व्यय का निसंकोच प्रचार	आय व्यय को गोपनीय रखा जाता है
6)	बजट की प्रकृति	सन्तुलित बजट व घाटे का बजट	अतिरेक बजट
7)	सुरक्षा पर व्यय	सरकार को अपने बजट का बहुत बड़ा भाग बाह्य आक्रमण से सुरक्षा व आन्तरिक शान्ति पर व्यय करना पड़ता है।	निजी व्यक्ति को देश की सुरक्षा व आन्तरिक शान्ति पर व्यय नहीं करना पड़ता है।

Scanned by CamScanner

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में राजस्व का महत्व

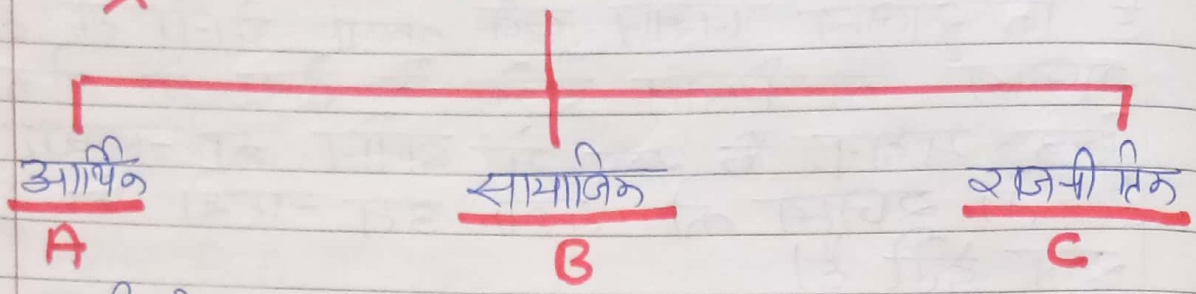

आर्थिक (A) | सामाजिक (B) | राजनीतिक (C)

(A)

1 पूर्ण रोजगार
2 उत्पादक क्रियाओं में वृद्धि
3 आय व सम्पत्ति के वितरण में महत्व
4 साधनों के आवंटन में महत्व
5 आर्थिक स्थायित्व
6 आर्थिक विकास हेतु साधन जुटाने में महत्व
7 कुछ कार्यों के लिए राज्य सर्वोत्तम साधन
8. मुद्रा व साख का बना हुआ उपयोग

B सामाजिक

1 कल्याणकारी राज्य की स्थापना
2 सामाजिक बुराइयों का निराकरण
3 सामाजिक सुरक्षा

C. राजनीतिक — राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में राजस्व का राजनीतिक महत्व भी महत्वपूर्ण है।

निष्कर्ष → J. B. Say — "वित्त की सबसे अच्छी योजना यह है कि खर्च कम करो और सबसे अच्छा कर वह है जो मात्रा में सबसे कम हो।

Scanned by CamScanner

Key words — Science and drawing, Public and Private finance

[www.gdcbhojpur.com]

Notes —

1) राजस्व — डॉ० जे० सी० पन्त
2) अर्थशास्त्र — डॉ० बी० सी० सिन्हा
3) मुद्रा एवं बैंकिंग — टी० टी० सेठी

Declaration — I have by declare that the information giving in this form is true and correct to the best knowledge and belief.

Scanned by CamScanner